इंस्टीट्यूट ऑफ़ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी
Institute of Horticulture Technology
Recognised by Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Government of India.
ISO 9001 : 2008

मासिक पत्र आई.एच.टी
समाचार

मई 2018 वॉल्यूम 1 नं 1

इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी मे दिव्यांग योद्धाओं के प्रशिक्षण का समापन

आई.एच.टी के अध्यक्ष श्री एन. पी. सूदन (बांये) एवं बी.एस.ऍफ के डी.आई.जी, श्री रामचन्द्र प्रकाश, प्रमाण पत्र वितरित करते हुए (दायें)

10 मई, 2018 को आई.एच. टी के मुख्य परिसर ग्रेटर नॉएडा में बी.एस. एफ योद्धाओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया, जिसमे बी.एस.एफ के डी.आई.जी श्री एम. एल. गर्ग एवं बी.एस.एफ के डी.आई.जी श्री रामचन्द्र प्रकाश, डिप्टी कमांडेंट श्री उम्मेद सिंह तथा डी. एस.डी.सी के प्रधानाचार्य श्री संजय मिश्रा मुख्य अतिथि थे कार्यक्रम के दौरान आई.एच.टी के संस्थापक श्री नेत्रपाल सूदन ने संस्थान के बारे में संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य जवानों के साथ देश के किसानो को प्रशिक्षित करना है बी.एस.एफ के डी.आई.जी रामचन्द्र प्रकाश सिंह ने अपने संबोधन में यह कहा की बंधे बंधाये क्षेत्रों से जवानो को इकोलॉजी व इकोनॉमिक्स आदि क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धात्मक क्षमताओं के विकास की आवश्यकता है साथ ही उन्होंने आई.एच. टी के द्वारा दिए गए प्रशिक्षण की भरपूर प्रशंसा की एवं कहा की भविष्य में बी. एस. एफ दिव्यांग योद्धाओं को ऐसे प्रशिक्षण दिलाता रहेगा।

इन्स्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी (आई.एच.टी) बॉर्डर सिक्यूरिटी फोर्स (बी. एस.ऍफ) के दिव्यांग योद्धाओं को चार महीने का बागवानी का प्रशिक्षण दे रहा था। संस्था के डायरेक्टर डॉ. उमेश कोहली का कहना है कि प्रशिक्षण के दौरान प्रैक्टिकल पर विशेष जोर दिया गया एवं भविष्य में पेरामिलेट्री (आई.टी.बी.पी, सी.आर.पी.एफ, सी.आई.एस.एफ) के दिव्यांग जवानों को प्रशिक्षण के लिए संपर्क किया जा रहा है।

प्रशिक्षण | घायल जवानों ने धरती को हरा-भरा करने उठाया है बीड़ा

सीमा पर गोली से घायल दिव्यांग जवान ले रहे हैं बागवानी का प्रशिक्षण

■ विशाल धर दुबे

ग्रेटर नोएडा, 22 अप्रैल (देशबन्धु)। देश की सेना सीमा पर प्रहरी की तरह मुस्तैद है जिनकी वजह से आज हम सुरक्षित हैं, विषम परिस्थिति में सेना के जवान दुश्मनों का मुकाबला करने के लिए तैयार रहते हैं, दुश्मनों के कायरता से आए दिन हमारे जवान शहीद हो जाते और कुछ जवान घायल भी होते हैं। घायलों जवानों अपनी जिन्दगी खुशहाल पूर्वक जी सके और उन्हें अपने आप पर लाचारी का अनुभव न हो सके।

भारत सरकार दिव्यांग जवानों को सक्षम बनाने के लिए लिए लगातार प्रयासरत है, ताकि रिटायर होने के बाद निजी और सार्वजनिक संस्थानों में स्वाभिमान पूर्वक अपना जीवनयापन कर सकें। बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, पैरामिलिट्री के दिव्यांग को कौशल बनाने के लिए दिव्यांग स्किल डेवलपमेन्ट सेन्टर (डीएसडीसी) द्वारका में स्थापित किया है। दिव्यांग जवानों को स्किल्ड करने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चर टेक्नॉलॉजी(आई.एच.टी) बार्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के दिव्यांग जवानों को चार महीने का बागवानी का प्रशिक्षण दे रहा है। प्रशिक्षण में दिव्यांग जवान धरती को हराभरा करने के लिए बहुत उत्साहित हैं, पर्यावरण संक्षण में जवान प्रशिक्षण के बाद आम लोगों को भी बागवानी

प्रशिक्षण के बाद जवान स्वावलंबी बनकर बिता सकेंगे खुशहाल जीवन

से जुड़ने के लिए करेंगे प्रेरित। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीएसएफ के आईजी आईटी. शर्मा व डीआईजी एम.एल. शर्मा अल्फा-एक ग्रेटर नोएडा स्थित टेक्नॉलॉजी पार्क में पहुंच कर जवानों को दिए जा रहे प्रशिक्षण कोल देखकर प्रोत्साहित किया। आईएचटी संस्थान के निदेशक उमेश कुमार कोहली ने

-भारत सरकार ने दिव्यांग जवानों के स्किल में निखार के लिए हमारे संस्थान को प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी है, प्रशिक्षण के दौरान प्रैक्टिकल पर विशेष जोर दिया जाता है, चार माह के लिए बीएसएफ की टीम आयी है, भविष्य में और जवान प्रशिक्षण लेने आएंगे, आने वाले समय में पेरामिलिट्री (आईटीबीपी, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ) के दिव्यांग जवानों को प्रशिक्षण के लिए संपर्क किया जा रहा है।
-डॉ. उमेश कुमार कोहली, निदेशक आईएचटी

जवानों को दिए जा रहे प्रशिक्षण माड्यूल की जानकारी दी।

बिलासपुर | भोपाल | जबलपुर | सतना | सागर

तत्काल निर्देश

हल्दी को लगाने के बाद मल्च के रूप में जैविक खाद का प्रयोग करें।

तमिलनाडु प्रशिक्षण कार्यक्रम (30 मई– 1 जून)

इन्स्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा के प्रशिक्षको द्वारा तमिलनाडु के विभिन्न जनपदों से आये हुए कृषको को हॉर्टिकल्चर से सम्बंधित विभिन्न विषयों जैसे कि मॉडर्न हॉर्टीकल्चर प्रोडक्शन टेक्नोलॉजीस, माइक्रो–इरीगेशन एंड फर्टीगेशन टेक्निक्स, प्रोटेक्टेड कल्टीवेशन विद स्पेशल रेफेरेंस टू आर्गेनिक फार्मिंग इत्यादि विषयों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया, तमिलनाडु के किसानो के लिए उनकी भाषा तमिल में समझाने के लिए आई.एच.टी. द्वारा ट्रांसलेटर की व्यवस्था की गयी, जिससे कि किसानो को प्रशिक्षण के दौरान असुविधा न हो।

मई, 2018 में आयोजित तमिलनाडु प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के कुछ चित्र

वेल्लोर जनपद के किसान मृदा बेड तैयार करते हुए (3 –7 मई)

वेल्लोर जनपद के किसान वर्मी कम्पोस्ट यूनिट पर प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए (3–7 मई)

तिरूपुर जनपद के किसान स्वस्थ नर्सरी के उत्पादन पर प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए (7–11 मई)

पुददुक्कोट्टई जनपद के किसान आई.एच.टी ओरिएंटेशन के बारे में जानते हुए (16 – 20 मई)

पुददुक्कोट्टई जनपद के किसान पानी की गुणवत्ता के बारे में प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए (16 – 20 मई)

विल्लूपुरम जनपद के किसान मृदा स्वास्थ्य के बारे में जानते हुए (11–15 मई)

रामनाथपुरम जनपद के किसान प्रो–ट्रे के बारे में जानते हुए (23–27 मई)

रामनाथपुरम जनपद के किसान मल्च पर प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए (23–27 मई)

तंजावुर के किसान अमरुद की खेती पर प्रशिक्षण लेते हुए (28 मई – 01 जून)

तत्काल निर्देश

अमरुद में बरसाती फलन को न लें।

समाचार
मई 2018 वॉल्यूम 1 नं 1

मध्य प्रदेश राज्य के विभिन्न जनपदों में आयोजित प्रशिक्षण शिविर

मध्य प्रदेश राज्य के विभिन्न जनपदों में इन्स्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी द्वारा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये गए जिसमे विभिन्न जनपदों जैसे कि हरदा, अशोकनगर, छिंदवाड़ा, होशंगाबाद, भोपाल, सागर, अगरमालवा, विदिषा, मंडला, भिंड के उद्यानिकी अधिकारियों को "गुड एग्रीकल्चरल प्रैक्टिसेज विद स्पेशल रिफरेन्स टू मॉडर्न हॉर्टीकल्चर प्रोडक्शन टेक्नोलॉजीस" नामक विषय में पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया. प्रशिक्षण क्रमशः 14–18 मई, 21–25 मई एवं 28–1 जून तक चला।

मध्य प्रदेश के विभिन्न जनपदों में आयोजित प्रशिक्षण शिविरों के कुछ चित्र

मध्य प्रदेश के उद्यानिकी अधिकारी
ड्रिप इरिगेशन पर प्रशिक्षण
ग्रहण करते हुए

मध्य प्रदेश के उद्यानिकी अधिकारी
फल वृक्षों के गुणवत्ता युक्त
पौध उत्पादन पर प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए

मध्य प्रदेश के उद्यानिकी अधिकारी स्वस्थ नर्सरी
उत्पादन पर प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए

मध्य प्रदेश के उद्यानिकी अधिकारी टिश्यू कल्चर पर प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए

तत्काल निर्देश

बड़े फल वृक्षों के लिए 1X1X1 मीटर आकार के गड्ढे खोदें, जबकि मध्यम आकार जैसे कि अमरुद, निम्बू आदि के लिए 75X75X75 से.मी. के गड्ढे खोदें तथा छोटे आकार जैसे कि केला, पपीता आदि फलों के लिए 30X30X30 से.मी. के गड्ढे खोदें।

आई.एच.टी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

इन्स्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा के प्रशिक्षको द्वारा तमिलनाडु के विभिन्न जनपदों से आये हुए कृषको को विभिन्न विषयों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। तमिलनाडु के वेल्लोर जनपद से आये हुए किसानो को "माइक्रोइरिगेशन एवं फर्टीगेशन टेक्निक्स" नामक विषय में प्रशिक्षण दिया गया। जबकि तमिलनाडु के तिरूपुर से आये किसानो को "मॉडर्न नर्सरी प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी" पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस के अतिरिक्त संस्थान के प्रशिक्षको द्वारा तमिलनाडु के विल्लुपुरम के किसानो को "मॉडर्न हॉर्टीकल्चर प्रोडक्शन टेक्नोलॉजीस" पर प्रशिक्षण दिया गया एवं इसी माह में तमिलनाडु के पुददुक्कोट्टई के किसानो को "मॉडर्न हॉर्टीकल्चर प्रोडक्शन टेक्नोलॉजीस" नामक विषय का प्रशिक्षण दिया गया. इसके साथ इसी माह के अंत में तमिलनाडु के रामनाथपुरम एवं तंजावुर के किसानो को क्रमशः "मॉडर्न हॉर्टीकल्चर प्रोडक्शन टेक्नोलॉजीस" व "प्रोटेक्टेड कल्टीवेशन विद स्पेशल रेफेरेंस टू आर्गेनिक फार्मिंग" नामक विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त संरक्षित खेती पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गए। मई, 2018 मास में आयोजित कार्यक्रमों का सारांश निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

आई.एच.टी के मुख्य परिसर, ग्रेटर नोएडा में मई, 2018 में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

कमांक	राज्य	कार्यकम	दिनांक	अवधि
1	दिव्यांग योद्धा बैच	कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम फॉर दिव्यांग योद्धा, बी.एस.एफ. इन एग्रीकल्चर सेक्टर	5 फरवरी – 10 मई	4 माह
2	तमिलनाडु किसान (वेल्लोर, तिरूपुर, विल्लुपुरम, पुददुक्कोट्टई, रामनाथपुरम, तंजावुर)	माइक्रो–इरीगेशन एंड फर्टीगेशन टेक्निक्स, मॉडर्न हॉर्टीकल्चर प्रोडक्शन टेक्नोलॉजीस	3 मई – 1 जून	5 दिन
3	मध्य प्रदेश उद्यानिकी अधिकारी (छिंदवाड़ा, अशोकनगर, हरदा, होशंगाबाद, भोपाल सागर, अगरमालवा, विदिषा)	गुड एग्रीकल्चरल प्रैक्टिसेज विद स्पेशल रिफरेन्स टू मॉडर्न हॉर्टिकल्चर प्रोडक्शन टेक्नोलॉजीस	14 मई – 1 जून	5 दिन
4	विशेष प्रशिक्षण (बैच 4)	प्रोटेक्टेड कल्टीवेशन ऑफ टोमेटो, कैप्सिकम एंड ककुम्बर	04 अप्रैल – 2 जून	3 माह

इंस्टीट्यूट ऑफ़ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी
Institute of Horticulture Technology
ISO 9001 : 2008
Recognised by Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Government of India.
D-1, Krishna Apra Building, 3rd Floor
Alpha Commercial Belt, Alpha-1, Greater Noida – 201308, Delhi NCR region, India
Telephone: 011- 46604988, website: www.iht.edu.in, Email: enquiry@iht.edu.in, training@iht.edu.in